



Hargharpanditji
"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ चंद्र दर्शन और व्रत पारण ॥

FULL DISCLAIMER

This book is for educational, inspirational, and cultural purposes only. The remedies, rituals, affirmations, breathing methods, and spiritual practices described are based on traditional beliefs, historical customs, and personal development principles. They are not guaranteed solutions.

This book does not replace advice from licensed doctors, psychologists, financial advisors, lawyers, or other qualified professionals. If you have medical symptoms, mental health concerns, legal matters, or financial risk, seek professional help.

Use all remedies responsibly, ethically, peacefully, and according to local law. Do not use fire, herbs, fasting, incense, or physical practices in unsafe ways. The author and publisher are not liable for misuse.

Results in life depend on effort, discipline, timing, environment, skill, and many other factors. No spiritual method guarantees money, marriage, success, healing, or protection.

Hargharpanditji

"PUJA ON YOUR SCREEN, BLESSINGS
AT YOUR DOOR"

॥ करवा चौथ व्रत कथा ॥

करवा चौथ व्रत में चंद्र दर्शन और व्रत पारण सबसे महत्वपूर्ण चरणों में से एक माना जाता है। दिनभर व्रत रखने के बाद रात्रि में चंद्रमा के उदय होने पर विधिपूर्वक पूजा करके व्रत खोला जाता है।

चंद्र दर्शन की विधि

चंद्रमा के उदय होने पर पूजा की थाली तैयार करें।

चंद्र देव को जल से अर्घ्य दें।

रोली, अक्षत और पुष्प अर्पित करें।

दीपक जलाकर चंद्र देव की पूजा करें।

छलनी से चंद्रमा के दर्शन करें।

परंपरा के अनुसार उसी छलनी से पति के दर्शन किए जाते हैं।

पति की सुख-समृद्धि, अच्छे स्वास्थ्य और दीर्घायु की प्रार्थना करें।

व्रत पारण की विधि

चंद्र दर्शन और अर्घ्य देने के बाद पति के हाथ से जल ग्रहण करके व्रत खोलने की परंपरा है। इसके बाद प्रसाद या मिठाई ग्रहण करें और फिर सात्विक भोजन किया जाता है।

चंद्र देव से प्रार्थना

“हे चंद्र देव! मेरे परिवार में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखें। मेरे पति को उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु प्रदान करें तथा हमारे दांपत्य जीवन में प्रेम और विश्वास सदैव बना रहे।”

॥ जय चंद्र देव ॥ ॥ जय माता पार्वती ॥ ॥ जय करवा माता ॥